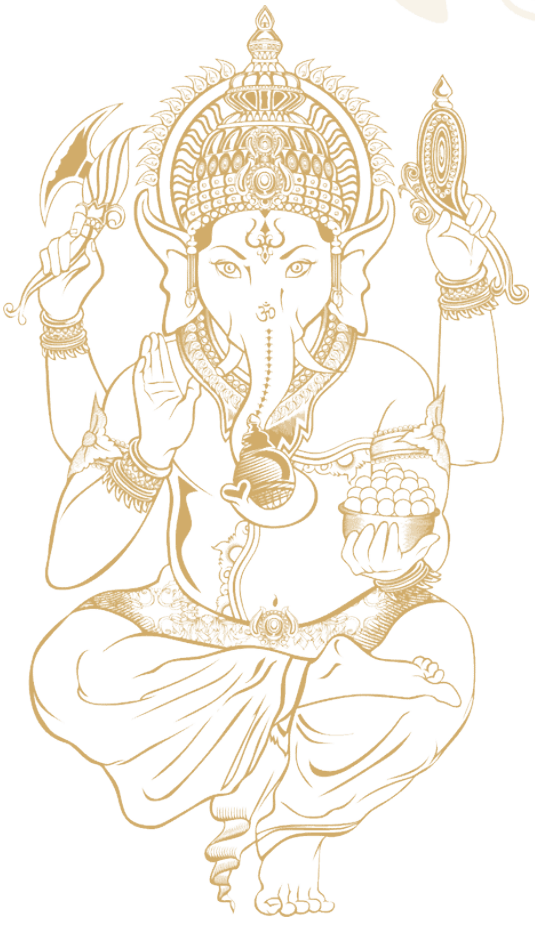

Anurag

Isha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119964506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/12/1993	जन्म तिथि	13/10/1994
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 09:13:00	जन्म समय	09:24:00 घंटे
घटी 06:20:59	जन्म समय(घटी)	08:34:36 घटी
India	देश	India
Raipur	स्थान	Raipur
21:16:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:36	सूर्योदय	05:58:09
17:31:53	सूर्यास्त	17:40:44
23:46:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 5वर्ष 4मा 22दि	24:43:12	मक	लग्न	वृश्चि	11:11:33	चन्द्र 7वर्ष 11मा 14दि
शुक्र	15:41:56	धनु	सूर्य	कन्या	25:48:10	राहु
25/05/2023	12:52:48	कर्क	चंद्र	मक	12:43:36	26/09/2009
25/05/2043	14:38:57	धनु	मंगल	कर्क	10:55:41	27/09/2027
शुक्र 23/09/2026	13:32:17	धनु	बुध व	तुला	11:43:18	राहु 08/06/2012
सूर्य 24/09/2027	15:51:03	तुला	गुरु	तुला	23:43:51	गुरु 02/11/2014
चन्द्र 24/05/2029	11:39:08	धनु	शुक्र	तुला	24:13:23	शनि 08/09/2017
मंगल 24/07/2030	03:08:34	कुंभ	शनि व	कुंभ	12:30:58	बुध 27/03/2020
राहु 24/07/2033	08:44:57	वृश्चि व	राहु व	तुला	21:19:01	केतु 15/04/2021
गुरु 24/03/2036	08:44:57	वृष व	केतु व	मेष	21:19:01	शुक्र 15/04/2024
शनि 25/05/2039	27:45:09	धनु	हर्ष	धनु	28:39:12	सूर्य 09/03/2025
बुध 25/03/2042	26:39:04	धनु	नेप	धनु	26:49:01	चन्द्र 08/09/2026
केतु 25/05/2043	03:16:12	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	02:44:00	मंगल 27/09/2027

लग्न-चलित

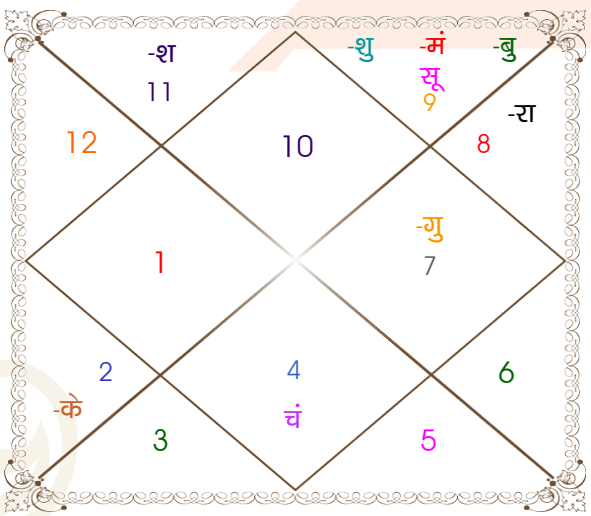

लग्न-चलित

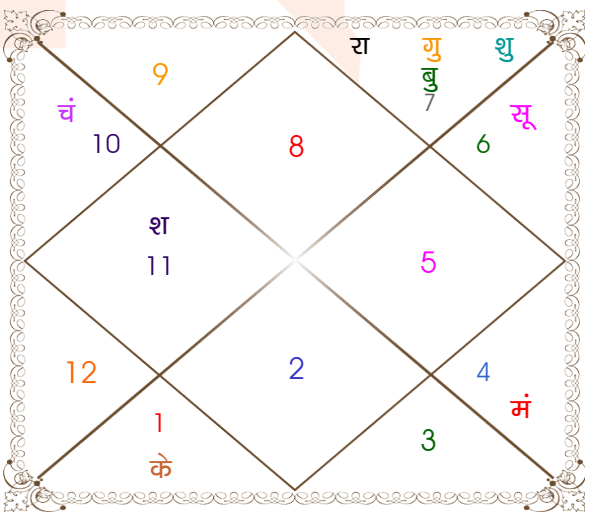

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	वानर	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

।दनतंह का वर्ग मेष है तथा Isha का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दनतंह और Isha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दनतंह मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दनतंह कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Isha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Isha कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दनतंह तथा Isha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।